25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 2021-2022

स्थापना वर्ष – 1997

NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

प्रतिबिम्ब

NEWS LETTER

VOL.4/issue1/July.2021-Sept.2021

प्राचार्या की कलम से

नवस्थापित शिक्षण संस्थान को एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय तक पहुंचाने में कई कड़िया महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जैसे- वहां अध्ययनरत छात्राओं की लगनशीलता, प्राध्यापकों का समर्पण भाव, स्टेकहोल्डर की रुचि एवं जुड़ाव, प्राचार्यों का कुशल निर्देशन एवं दूरदृष्टि तथा सभी संबंधित कार्यों को सुचारु रूप से संपन्न करने वाले श्रमशील कर्मचारीगण।
महाविद्यालय के बीजारोपण से लेकर विशाल वृक्ष बनने के रास्ते में विभिन्न पड़ाव आते है जो मील का पत्थर कहे जाते है। इस क्रम में प्रथम छात्र-छात्राओं का बैच, प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों की प्रारंभिक तैनाती, प्रथम सत्र एवं उसका परीक्षाफल, शिक्षण संस्थान का स्नातक से स्नातकोत्तर महाविद्यालय में परिवर्तित होना आदि महत्वपूर्ण स्थान रखते है।
कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर भी अपने स्थापना वर्ष से 24 वर्ष पूर्ण कर वर्तमान सत्र में अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। समय उत्साह और उल्लास का है। महाविद्यालय में अनेक नवोन्मेष के साथ न्यूज लेटर प्रतिबिंब भी नवीन अवतरण में है। आशा है कि महाविद्यालय का यह महत्वपूर्ण सत्र न्यूज लेटर के वर्तमान और आगामी अंक के माध्यम से आप सभी को महाविद्यालय संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर हर्षित करेगा।
महाविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के प्रथमांक के इस महत्त्वपूर्ण प्रकाशन पर संपादक मंडल एवं महाविद्यालय परिवार को अनंत शुभकामनाएं।

- (प्रो.)डॉ. दिव्या नाथ

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा दिनाँक 04 जुलाई 2021 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित वृक्षारोपण जन आंदोलन–2021 के तहत वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान द्वारा वर्ष 2021 में राज्य सरकार ने व्यापक जनसहभागिता से 30 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। उक्त आन्दोलन के अंतर्गत शासन के निर्देश के क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक, गौतमबुद्ध नगर द्वारा महाविद्यालय हेतु 100 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिस की पूर्ति के सापेक्ष ग्राम पंचायत बादलपुर की गाटा संख्या 70 की जमीन पर ग्राम प्रधान के सहयोग से 50 अमरूद तथा 50 जामुन के पौधों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा किया गया। उनके नियोजित नेतृत्व में महाविद्यालय की एन.सी.सी ,एन.एस.एस तथा रेंजर्स इकाई सहित इको रेस्टोरेशन क्लब व शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अद्वितीय योगदान दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि भारत की सनातन सभ्यता वनों की गोद मे ही विकसित हुई है। आज पुनः आवश्यकता है कि हम शिक्षा को प्रकृति का आधार प्रदान करें। महाविद्यालय द्वारा अभियान के तहत लगाए गए पौधों की उपयोगिता बताते हुए प्राचार्या ने कहा कि अमरूद की बहुउपयोगिता एवं पौष्टिकता को ध्यान मे रखते हुये ही इसे गरीबों का सेब कहा जाता है। उन्होंने कहा कि जामुन के वृक्ष से वातावरण शुद्ध होता है और सुख–शांति बनी रहती है जो कि मधुमेह के खिलाफ अचूक औषधि भी है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जामुन का पौधा लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय की एन.सी.सी, एन.एस.एस,रेंजर्स इकाई ,शारीरिक शिक्षा विभाग व इकोक्लब के समस्त सदस्यों सहित कार्यालय कर्मचारियों की उपस्थिति एवम सहयोग सराहनीय रहा।

भूजल सप्ताह

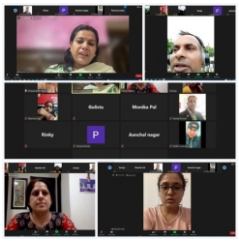

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दिनांक 16 से 22 जुलाई 2021 तक ऑनलाइन माध्यम से भूजल सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भूगर्भ जल संपदा के प्रति जन जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 16 जुलाई को प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ) दिव्या नाथ द्वारा वृक्षारोपण के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि और औद्योगिकरण के कारण जल संसाधनों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है,वहीं सिंचाई,पेयजल व औद्योगिक सेक्टर्स में भूजल पर निरन्तर बढ़ती निर्भरता से भी अनेक क्षेत्रों में भूजल के अतिदोहन की स्तिथि उत्पन्न हो गयी है। इससे देश के अधिकांश क्षेत्रों में भूजल स्तर में चिंताजनक गिरावट आयी है। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस को भूगोल विभाग की छात्राओं हेतु पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जहाँ छात्राओं द्वारा भूजल के घटते स्तर के विभिन्न कारणों एवं समाधानों को रंगों एवम चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में कार्यक्रम के तृतीय दिवस को कार्यक्रम संयोजिका डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा ''भूजल– वर्तमान और भविष्य'' शीर्षक पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने कहा कि पृथ्वी पर पाये जाने वाले प्रत्येक जीव का जीवन जल पर ही निर्भर होता है। अतः जल की उपलब्धता नितान्त आवश्यक है। पानी को हम प्रकृति का मुफ्त या निशुल्क उपहार समझते हैं, जब वस्तुस्थिति यह है कि पानी प्रकृति का मुफ्त नहीं वरन् बहुमूल्य उपहार है। इस अवसर पर उनके द्वारा छात्राओं से भविष्य में जल–संरक्षण के प्रयासों में तीव्रता लाने की शपथ दिलाई गई। दिनांक 19 जुलाई,2021 को आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में डॉ.कनक कुमार द्वारा ''जल ही जीवन है'' शीर्षक पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि जल उन प्रमुख तत्वों में से एक है जो पृथ्वी पर रहने वाले सभी सजीव प्राणियों को जीवन–प्रदान करते हैं। दिनांक 20 जुलाई, 2021 को डॉ. निशा यादव द्वारा ''भूजल का गिरता स्तर– एक ज्वलंत समस्या '' विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि जल बिन जीवन के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, लेकिन भूजल का जिस तरह दोहन व बर्बादी हो रही है उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए भूजल का गिरता स्तर एक बड़े संकट की तरह सामने आएगा।

सम्पादिका की कलम से

महाविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर न्यूज लेटर प्रतिबिंब को नवीन कलेवर में आप सबके हाथों में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है।
स्थापना वर्ष 1997 से वर्ष 2021 तक महाविद्यालय की यह अनवरत यात्रा गौरवपूर्ण स्मृतियों को अपने अंदर समेटे है। मात्र 28 विद्यार्थियों के साथ प्रारंभ हुआ यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों में गुणवत्ता की दृष्टि से आज अपना विशिष्ट स्थान रखता है। नैक द्वितीय चरण के मूल्यांकन में 2.91 सी. जी.पी.ए प्राप्त करना इस बात का द्योतक है। महाविद्यालय की यश सुरभि दिगदिगंत तक फैलाने में महाविद्यालय के पूर्व एवं वर्तमान प्राचार्यों, प्राध्यापकगणों, कर्मचारी बंधुओं तथा विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
प्राचार्या महोदया के कुशल निर्देशन और कर्तव्यनिष्ठता से महाविद्यालय का रजत जयंती वर्ष उपलब्धियों के नवीन शिखर का स्पर्श करेगा, इस दृढ़ विश्वास के साथ सभी को विनत भाव के साथ प्रतिबिम्ब का यह अंक समर्पित है।

यां मेधां देवगणाः पितरश्चोपासते।
तया मामद्य मेधायग्ने मेधाविनं कुरु॥
ॐ स्वस्ति।

- डॉ. दीप्ति वाजपेयी

दिनाँक 21 जुलाई,2021 को आयोजित व्याख्यान में श्रीमती दीपांक्षी सिंह भूजल समस्या के सरोकार और समाधान शीर्षक पर बोलते हुए कहा कि जल हमारे ग्रह पृथ्वी पर एक आवश्यक संसाधन है। यही कारण है कि खगोलविद पृथ्वी से अलग किसी अन्य ग्रह पर जीवन की तलाश करते समय सबसे पहले इस बात की पड़ताल करते हैं कि उस ग्रह पर जल मौजूद है या नहीं। 'जल है तो कल है' जैसी उक्तियों के माध्यम से हम जल की महत्ता को ही स्वीकारते हैं। भूजल सप्ताह कार्यक्रम के समापन दिवस 22 जुलाई,2021 को विभाग द्वारा समस्त छात्राओं से उक्त समस्या के समाधान के सृजनात्मक उपाय सुझाने को कहा गया ताकि छात्राओं के चिन्तन को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया जा सके।उक्त के अतिरिक्त विभाग द्वारा मुक्त संवाद के माध्यम से समस्त छात्राओं से सात दिवसीय कार्यक्रम की प्रतिपुष्टि प्राप्त की गई ताकि उनके सार्थक सुझावों को भविष्य के कार्यक्रमों में सम्मिलित किया जा सके। अपने समापन उदबोधन में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने कहा कि पानी की कमी न रहे, इसके लिए बारिश के पानी का संरक्षण व संग्रहण सबसे बेहतर उपाय है।अंत में डॉ. निशा यादव द्वारा ऑनलाइन सभागार में उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल के तत्वावधान में ऑनलाइन क्विज आयोजित

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल के तत्वाधान में प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में दिनांक 18 जुलाई 2021 को गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 20 प्राध्यापक एवम् 251 छात्राओं ने प्रतिभाग किया । डॉ. आजाद आलम द्वारा विनिर्मित इस quiz का लिंक वॉट्स अप के माध्यम से संबंधित कक्षाओं के ग्रुप एवम् मेण्टर ग्रुप मे 18 जुलाई को सुबह 10 बजे भेजा गया, जिसका आखिरी समय 8 pm रहा । उक्त प्रतियोगिता में दो छात्राओं ने 90 % से ऊपर अंक अर्जित किया । 60% एवम् उससे अधिक प्रतिशत वाले सभी प्रतिभागियों को ई– certificate प्रदान किये गए । छात्राओं के लिए आयोजित ज्ञानवर्धक एवम् जीवनोपयोगी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से उन्हें समसामयिक गतिविधियों के संदर्भ में जागरूक किया गया। क्विज का उद्देश्य छात्राओं की नवाचार और नवोन्मेष से संबंधित रुचियों को जानना था जिसके माध्यम से उनके विकास हेतु ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा सके जो उनकी रुचियों और कल्पनाओं को सतरंगी आकार दे सकें।

महाविद्यालय में सेंसर सेनेटाइजर मशीन की स्थापना

कोविड–19 के प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करने एवं छात्राओं , प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा के दृष्टिगत महाविद्यालय में विगत सत्र से ही विभिन्न प्रकार के कार्यों को सुनिश्चित किया जाता रहा है इस क्रम में तापमानमापी यंत्र का नियमित प्रयोग, सभी के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता, सेनेटाइजर का समुचित उपयोग, शारीरिक दूरी का पालन इत्यादि महाविद्यालय की कोविड –19 की सामान्य आचार संहिता है। इसी श्रृंखला में प्राचार्या महोदया के निर्देशन में महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा किए गए प्रयासों के क्रम में रोटरी क्लब के सौजन्य से महाविद्यालय में सेंसर सेनेटाइजेशन मशीन की स्थापना की गई। जिससे द्वारा बिना स्पर्श के प्राध्यापकगण, कर्मचारी तथा छात्राएं जीवाणुओं से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते है। रोटरी क्लब द्वारा महाविद्यालय को 500 मास्क, मशीन में पूर्ति हेतु अतिरिक्त सेनेटाइजर भी उपलब्ध कराए गए। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु रोटरी क्लब का धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 29 जुलाई 2021 को आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इंडिया मीडिया लिटरेसी नेटवर्क (फैक्टशाला) के माध्यम से'' Fake News&Consequences and Remedies'' विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ उमेश आर्या, डीन फैकल्टी ऑफ मीडिया स्टडीज, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार ने fake news को जानने के विभिन्न तरीके, जानने की आवश्यकता, दुष्परिणाम, उसे फैलने से कैसे रोके, कानूनी पक्ष इत्यादि के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यशाला के संयोजक डॉ अरविंद कुमार यादव ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विषय की आवश्यकता और महत्त्व पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने कहा कि इस प्रकार की सोशल मीडिया में फैलने वाले भ्रामक समाचार या तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किए गए घटनाक्रम की वास्तविकता की जानकारी होना सभी के लिए आज के समय में अति आवश्यक है। आज का जागरूक नागरिक भी इस प्रकार की भ्रामक खबरों के जाल में फंसकर विभिन्न प्रकार से इनका शिकार हो जाता है तथा इस प्रकार की त्रुटि पूर्ण खबरें समाज में अशांति फैलाने का कारण भी बनती है अतः सभी को इसके प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यशाला के अंत में आयोजन सचिव डॉ किशोर कुमार द्वारा भी सबसे इन भ्रामक खबरों के प्रति सचेत रहने का आह्वान किया गया तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में आयोजन सचिव डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ दीप्ति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अज्ञानता से आजादी कार्यक्रम

दिनांक 04 अगस्त, 2021 को बी. एड. विभाग द्वारा महाविद्यालय में संचालित "अज्ञानता से आजादी" कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत बादलपुर का महिला साक्षरता सर्वेक्षण किया गया। ग्राम बादलपुर के ग्राम प्रधान को महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया के निर्देशन में संचालित इस कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों से अवगत कराने के साथ–साथ पूर्व के वर्षों में की गयी गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की गयी, साथ ही विभाग के समस्त शिक्षकों द्वारा ग्राम वासियों से पुनः संवाद स्थापित कर इस योजना में प्रतिभाग करने हेतु जागरूक किया गया ,जिसमें निरक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने के साथ–साथ दिन प्रतिदिन के कार्यों में प्रयोग होने वाली तकनीकी से सुपरिचित करवाया जाएगा, जिससे वह दैनिक जीवन में नित्य प्रयुक्त होने वाले तकनीकीजन्य कार्यों में आत्मनिर्भर बन सके। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के बीएड विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं को साक्षर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से विगत वर्षों से ''अज्ञानता से आजादी'' कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

समावेशी समाज और भारतीय सांस्कृतिक मूल्य विषय पर वेबीनार

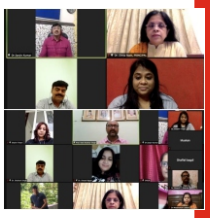

महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सौजन्य से दिनांक 8 अगस्त को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ के कार्यकारी अधिकारी डॉ. रवि शंकर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज से ही बालकों में सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक, आध्यात्मिक मूल्यों का विकास होता है। शिक्षा के वास्तविक उद्देश्यों को पूरा करने में समाज की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। समुदाय अपने विभिन्न संसाधनों द्वारा विद्यालयों में समावेशी शिक्षा प्रदान करने हेतु स्वस्थ वातावरण का निर्माण करता है। विशिष्ट वक्ता के रूप में अपने उदबोधन में डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि समावेशी समाज का विकास उसमें निहित सम्पूर्ण मानवीय क्षमता के कुशलतापूर्वक उपभोग पर निर्भर करता है। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के बिना समावेशी समाज का विकास सम्भव नहीं हो सकता है। शिक्षा समावेशन की प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण औजार है। मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित प्रोफेसर रवि शंकर सिंह ने अपने विचार रखते हुए भारतीय सनातन शास्त्रों एवं साहित्य को न्याय एवं सह अस्तित्व का परिचायक बताया। अपने उदबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में समता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय एवं व्यक्ति की गरिमा को प्राप्य मूल्यों के रूप में निरूपित किया गया है। हमारा संविधान जाति, वर्ग, धर्म, आय एवं लैंगिक आधार पर किसी भी प्रकार के विभेद का निषेध करता है। लोकत्रांतिक समाज की स्थापना के लिए हमारे संवैधानिक मूल्य स्पष्ट दिशानिर्देशन प्रदान करते हैं और इस प्रकार एक समावेशी समाज की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

ऑनलाइन वेबिनार के समापन सत्र में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उन्होंने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी, समिति सलाहकार डॉ. शिल्पी तथा डॉ. बबली अरुण,डॉ. विजेता गौतम,डॉ. शालिनी तिवारी व डॉ. संजीव कुमार को बधाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवम छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

नवागत प्राध्यापकों का स्वागत समारोह

महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में विभिन्न विषयों में 13 प्राध्यापकों का आगमन हुआ, जिसमें कुछ नवीन तैनाती थी तथा कुछ प्राध्यापकों ने विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों से स्थानांतरण स्वरूप यहां कार्यभार ग्रहण किया। उनके स्वागत हेतु प्राचार्य महोदया के निर्देशन में महाविद्यालय स्टॉफ क्लब के सौजन्य से स्वागत समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में सभी नवागत प्राध्यापकों को पादप भेट किए गए तथा प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा आशीर्वचन रूप में उन्हें महाविद्यालय की संस्कृति से परिचित कराते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। सभी नवागत प्राध्यापकों द्वारा अपना अपना परिचय देते हुए महाविद्यालय के समावेशी वातावरण में पूर्ण निष्ठा से कर्तव्य निर्वहन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन स्टॉफ क्लब सदस्या डॉ शालिनी तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में स्टॉफ क्लब सचिव डॉ जूही विरला एवं अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

एम.एस.सी जंतु विज्ञान की छात्राओं हेतु स्वागत एवं विदाई समारोह का सम्मिलित आयोजन

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को शिक्षित करने के साथ–साथ विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना भी है । जिससे विद्यार्थी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की ओर अग्रसर रहे । इसी उद्देश्य को परिपूरित करने की दिशा में महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 8 अगस्त, 2021 को गेट–टू–गेदर समारोह का आयोजन महाविद्यालय की संरक्षक एवं प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के दिशा निर्देशानुसार किया गया, जिसमें एम. एस. सी. जंतु विज्ञान विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया । इस अवसर पर एम. एस. सी. पूर्वार्द्ध की छात्राओं के लिए स्वागत एवं उत्तरार्द्ध की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया । समारोह का शुभारम्भ जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा जी ने माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा किया । उपस्थित छात्राओं द्वारा एकल नृत्य ,समूह नृत्य, व्यंग्य,कविता पाठ,लघु नाटिका,नृत्य नाटिका,रैम्पवॉक आदि अनेक कार्यक्रमों का उत्साहपूर्वक प्रस्तुतीकरण किया गया । समारोह के दौरान अलिस्बा, नेहा, प्रिया, ज्योति एवं सोनाली ने मंच संचालन की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक व प्रभावी तरीके से निभाई। समारोह के दौरान शिक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के आधार पर एम.एस.सी.पूर्वार्द्ध की प्रिया नागर को मिस फ्रेशर व आयुषी को रनरअप का खिताब मिला तथा एम.एस.सी.उत्तरार्द्ध की जया को मिस फेयरवेल एवं हिमांशी को रनरअप की उपाधि प्रदान की गयी । समारोह के आयोजन में कोरोना प्रोटोकॉल्स का पूर्ण रूप से अनुपालन किया गया । समारोह में जंतु विज्ञान विभाग व बी. वॉक. के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे । डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं श्रीमती नीतू सिंह ने समारोह के सफल आयोजन के लिए छात्राओं को बधाई दी व आगामी भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं । कार्यक्रम का समापन जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा जी के छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं व आशीर्वचन के साथ हुआ ।

आजादी अमृत महोत्सव

महाविद्यालय में आजादी @ 75 के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय की वेबसाइट पर टिकट संचालित कर भारत सरकार के निर्देशानुसार rashtragaan-पद पर राष्ट्रगान गाते हुए प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ की अध्यक्षता में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा बड़ी संख्या में राष्ट्रगान अपलोड किया गया। इससे पूर्व 31 जुलाई 2021 को महाविद्यालय की राजनीति विभाग की छात्रा कु अंजलि भाटी ने डॉ ममता उपाध्याय के निर्देशन में mentoring young authors under india @75 project, national book trust, india शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास' विषय पर लेख अपलोड किया। ''आजादी के अमृत महोत्सव'' के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 22/09/2021 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा गुड गवर्नेंस पर वेबिनार श्रंखला का आयोजन केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात गांधीनगर के सहयोग से किया गया। इस वेबिनार में महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा 'जूम लिंक' एवं 'यू ट्यूब' लिंक के माध्यम से जुड़कर भागीदारी की गई तथा आजादी अमृत महोत्सव में अपना योगदान सुनिश्चित किया ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

कुमारी मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में दिनांक 15 अगस्त 2021 को भारत का 75 वाँ स्वतंत्रता दिवस प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहीदों की याद में श्रद्धा सुमन अर्पित कर पारंपरिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । आजादी के इस अमृत महोत्सव में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ दिव्या नाथ के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण के उपरांत सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर महाविद्यालय के प्रत्येक सदस्य ने इस महोत्सव की सार्थकता को सिद्ध किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी शर्मा ने माननीय शिक्षा निदेशक, इलाहाबाद द्वारा स्वतंत्रता दिवस के लिए प्रसारित संदेश का वाचन किया।महाविद्यालय की छात्राओं एवं डॉ. बबली अरुण ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं में एक सेनानी है और वह एक नया इतिहास रचने की क्षमता रखता है। शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति लागू किए जाने को उन्होंने एक क्रांतिकारी कदम के रूप में प्रस्तुत किया एवं छात्राओं को अपना सर्वोत्तम योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम का संचालन समारोहिका डॉ श्वेता सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि कुमारी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के सभी सम्मानित प्राध्यापक गण एवं कर्मचारियों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को शोभायमान किया।

भाषा कौशल पर कार्यशाला

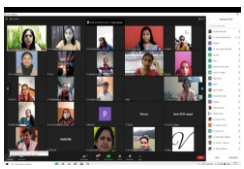

महाविद्यालय में दिनांक 23 अगस्त, 2021 को भाषा प्रयोगशाला समिति के तत्वाधान में ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्यानाथ के विचारों और आशीर्वचन से हुई। उन्होंने विभिन्न भाषाओं के उद्भव ,उनका समन्वय ,भाषाई दृष्टिकोण एवं जीवन में भाषा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला के अपने उद्देश्यों में पूर्ण होने की शुभकामना दी। त्रिभाषायी सिद्धांतों पर आधारित कार्यशाला तीन चरणों में आयोजित की गई । प्रथम चरण में एस.एस.खन्ना डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. सौम्या कृष्णा ने संस्कृत भाषा कौशल पर अपना व्याख्यान दिया, उन्होंने ध्वनि की उत्पत्ति ,ध्वनि के सिद्धांत, पदों की प्रकृति, प्रत्यय एवं उच्चारण स्थान के विषय में विस्तार से बताया। कार्यशाला के द्वितीय चरण में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कासगंज ,अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीक्षा ने अंग्रेजी भाषा के शब्दों का उचित प्रयोग, स्वर, व्यंजन वर्णों का पृथक– पृथक उच्चारण संबंधित सिद्धांत, मानव शरीर के उच्चारण अवयव की विविधता तथा अपवाद शब्दों का प्रयोग एवं अनुप्रयोग पर विस्तार से अपने विचार रखें। कार्यशाला के अंतिम चरण में कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार जैन ने प्रांजल, परिष्कृत एवं व्यावहारिक रूप से अपने व्याख्यान को प्रस्तुत किया,उन्होंने हिंदी भाषा के न केवल सिद्धांतों को विस्तार से बताया अपितु प्रयोग करके वर्णों के उच्चारण स्थान एवं एवं उच्चारण विभेद की बारीकियों को भी स्पष्ट किया । भाषा प्रयोगशाला की समिति द्वारा भाषा संबंधी कौशल ,उसके विकास एवं उसकी प्रासंगिकता के उद्देश्य के साथ आयोजित कार्यशाला निश्चित रूप से अपने उद्देश्य में सफल रही। कार्यशाला के अंत में छात्राओं के किंचित प्रश्नों का भी वक्ताओं द्वारा समाधान किया गया। छात्राओं के हित में इसी तरह के और भी कार्यक्रम किए जाने के लिए कृत संकल्प भाषा प्रयोगशाला के समिति सभी सदस्यों का कार्यक्रम में अमूल्य योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कनकलता के द्वारा एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन समिति की संयोजिका डॉ. विजेता गौतम द्वारा किया गया।

संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन

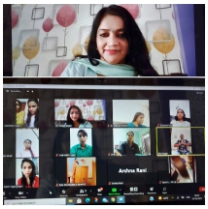

शासन के पत्रांक संख्या 1206/सत्तर–1–2021 दिनांक 18 अगस्त 2021 के अनुपालन में कु.मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर के संस्कृत विभाग द्वारा देववाणी संस्कृत को उच्च शिक्षा के माध्यम से उसके प्राचीन स्वरूप को प्रतिस्थापित किए जाने के उद्देश्य से दिनांक 19 अगस्त से 25 अगस्त 2021 तक संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह में प्रतिदिन की कार्यक्रम श्रृंखला में निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषा कौशल प्रशिक्षण, श्लोक गायन प्रतियोगिता, संस्कृत संभाषण अभ्यास इत्यादि कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। समस्त प्रतियोगिताओं में संस्कृत विभाग की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । प्राचार्या महोदया के निर्देशन में आयोजित संस्कृत सप्ताह समारोह का समापन दिनांक 25 अगस्त को ऑनलाइन श्लोक गायन प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया जिसमें कु. आकांक्षा प्रथम, कु. रितु द्वितीय एवं कु. अंजलि नागर तृतीय स्थान पर रहीं। सम्पूर्ण सप्ताह के सफल आयोजन में संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी तथा विभाग प्राध्यापिकाओं डॉ नीलम शर्मा, डॉ कनकलता यादव एवं सुश्री शिखा रानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंतर विश्वविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्राएं विजयी

कु.मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के बी.एड.विभाग की छात्राओं द्वारा डी.ए.वी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बुलंदशहर में आयोजित स्व. डॉ. महेश चंद्र गुप्त स्मारक अंतर विश्वविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। इस प्रतियोगिता में बी. एड. प्रथम वर्ष की छात्रा कु०प्रिया दुबे ने प्रथम स्थान तथा कु०शिखा पाण्डे ने तृतीय स्थान प्राप्त कर चल वैजंती विजयोपहार महाविद्यालय के नाम अर्जित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.)दिव्या नाथ द्वारा छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान कर अभिप्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनाँक 29 अगस्त 2021 को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में खो– खो व बैडमिंटन प्रतियोगिता तथा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय खेल दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को मनाया जाता है। इसे महान हॉकी के खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है।ध्यानचंद जी ने भारत की हॉकी को पूरे विश्व में प्रसिद्ध कराया था। उन्होंने अपना उच्च प्रदर्शन दिखा कर भारत को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया था।भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी के द्वारा पहचान इन्होंने ही दिलाई।इनकी प्रतिभा को सम्मानित करने के लिए ही भारत इनके जन्मदिवस को खेल दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा खेल दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय खेल दिवस का महत्व असीम है। यह आयोजन केवल इस दिन का जश्न मनाने के लिए नहीं है बल्कि देश भर में खेलों और खेलों की भावना को जागृत करने का आयोजन है । उत्सव का मतलब है कि इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालना और खेल के प्रति छात्राओं का ध्यान आकर्षित करना। इस तरह के दिवस युवा ऊर्जा को मान्यता देते हैं और विभिन्न खेलों के विषय में जागरूकता पैदा करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

महाविद्यालय में प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता एवं संरक्षण में 1 सितंबर से 7 सितम्बर तक गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'' के परिपेक्ष्य में व्यापक स्तर पर बहुद्देश्यीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्राओं के ज्ञानावर्धन हेतु इस साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रत्येक दिवस में विशेष आयोजन किए गए। प्रथम दिन कलात्मक शैली के विकास हेतु 'सलाद सज्जा प्रतियोगिता'' कराई गई, द्वितीय दिन ''पोस्टर प्रदर्शन'' के माध्यम से अपने भावों को रंगो से व्यक्त किया जिसका शीर्षक था ''Feeding Smart from the Start '', इसी क्रम में तृतीय दिन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (RSETI), ग्रेटर नोएडा में छात्राओ के साथ शैक्षिक भ्रमण किया गया, जिसके माध्यम से छात्राओं ने अपने स्वरोजगार के संसाधनों का प्रत्यक्षीकरण किया, छात्राओ के मानसिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के परीक्षण हेतु ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का चतुर्थ एवं पंचम दिवस में आयोजन किया गया, उक्त पोषण सप्ताह के छठे दिन ''नुक्कड़ नाटक'' का आयोजन किया गया, जिसमें कोरोना से बचाव हेतु पोषण के महत्व की प्रासंगिकता को दृष्टि में रखा गया। कार्यक्रम का सफल समापन एक व्याख्यान के माध्यम से किया गया, जिसका विषय ''शिक्षा तथा पोषण एवम् स्वास्थ्य'' रहा। पोषण सप्ताह के द्वारा निश्चित रूप से ही छात्राये लाभान्वित हई। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा के साथ श्रीमती शिल्पी,श्रीमती नीलम एवं श्रीमती माधुरी का विशेष योगदान रहा।

शिक्षक दिवस समारोह

महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा डा० सर्वपल्ली राधा कृष्णन की स्मृति में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो०(डा०)दिव्या नाथ द्वारा माँ सरस्वती तथा डा० सर्वपल्ली राधा कृष्णन के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात बी. एड. की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत की सुन्दर प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर छात्राओं ने गुरु की महिमा में लिखे संस्कृत श्लोक, लेख, स्वरचित कविताएँ, तथा गीत प्रस्तुत किए। प्राचार्या ने इस अवसर पर छात्राओं को भावी शिक्षकों के सम्मुख आने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु मार्गदर्शन तथा उन्हें सफल शिक्षक बनने हेतु आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या ने सभी शिक्षकों के साथ मिलकर केक काटा और सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई दी। वरिष्ठ प्राध्यापक डा० दिनेश चन्द्र शर्मा, डा० किशोर कुमार, डा० दीप्ति बाजपेयी तथा बी. एड. विभाग के प्राध्यापक डा० संजीव कुमार, डा० दीपक शर्मा, डा० रतन सिंह, डा० रमाकांति, डा० सतीश चंद तथा डा० नितिन कुमार आदि ने छात्राओं को भविष्य में सर्वोत्तम अध्यापक बनने हेतु शुभकामनाएँ दी। बी. एड. की छात्रायें रोजी आजमी, प्रिया दुबे, शिखा पाण्डे, कंचन, जयश्री, यशिका, सुरभि, शिवांगी, नीलम आदि ने कार्यक्रम में महती भूमिका निभाकर शिक्षक दिवस को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया।

नई शिक्षा नीति में पोषण और स्वास्थ्य विषय पर वेबिनार

महाविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति के तत्वावधान में गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 7 सितंबर को एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था ''नई शिक्षा नीति 2020 में पोषण और स्वास्थ्य''। वेबिनार का शुभारंभ राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति की प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी द्वारा प्राचार्य महोदया, मुख्य वक्ता एवं समस्त प्राध्यापकों के स्वागत उद्बोधन से हुआ। मंच संचालन करते हुए गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा ने विषय पर भी प्रकाश डाला और मुख्य वक्ता डॉ नीतू सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, राजकीय महाविद्यालय नैनी, प्रयागराज को उनके उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया। डॉ नीतू सिंह ने कहा कि आहार और पोषण का मानव जीवन में बहुत महत्व है और यह हर्ष का विषय है कि नई शिक्षा नीति में इस विषय को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है।

स्वस्थ नागरिक ही समृद्धशाली राष्ट्र की आधारशिला है। प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि वेबिनार का विषय अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि नई शिक्षा नीति में भी इस विषय को आवश्यक मानते हुए मेजर और माइनर दोनो पाठ्यक्रमों में आहार और पोषण को सम्मिलित किया गया है जो यह सिद्ध करता है कि स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना आज की बड़ी आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ शिल्पी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ नीलम यादव, श्रीमती माधुरी पाल तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

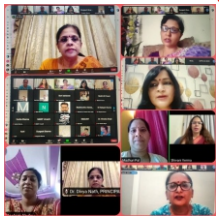

विश्व साक्षरता दिवस

महाविद्यालय के बीएड विभाग द्वारा विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्या महोदया के संरक्षण में हुई इस संगोष्ठी में विभाग प्रभारी डॉ संजीव कुमार ने जीवन में शिक्षा एवं साक्षरता के महत्त्व को सरल एवं प्रभावशाली रूप में छात्रा–अध्यापिकाओं के सम्मुख प्रस्तुत किया। अंत में उन्होंने सभी छात्राओं से शिक्षा और साक्षरता के महत्त्व के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा कम से कम एक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर बनाने का आह्वान किया। सभी छात्रा अध्यापिकाओं ने इस आशय की शपथ ली। संगोष्ठी में विभाग के सभी प्राध्यापक तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

चौरी चौरा शताब्दी समारोह

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में बी. एड. की छात्राओं हेतु चौरी चौरा घटना एवं गांधीवादी रणनीति विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य व्याख्यान इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह के द्वारा दिया गया, जिसमें वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को बहुत ही सरल शब्दों में छात्राओं के सम्मुख स्पष्ट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग प्रभारी डॉ.आशा रानी जी द्वारा की गयी। डॉ.किशोर कुमार ने गाँधी जी के सत्याग्रह की संकल्पना और उनके द्वारा साधन तथा साध्य की पवित्रता के परिप्रेक्ष्य में गांधीवादी रणनीति के सकारात्मक परिणामों की चर्चा की और वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता के सम्बन्ध में छात्राओं को अवगत कराया। छात्राओं की जिज्ञासाओं पर डॉ.निधि रायजादा, डॉ. रमाकांति एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा समाधान प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन बी. एड. विभाग के प्राध्यापक डॉ.संजीव कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ.अनीता सिंह, श्री वसंत कुमार, डॉ.रतन सिंह, डॉ.ज्ञानेंद्र कुमार, डॉ.सतीश चंद, डॉ.बलराम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सकारात्मक विचारों की शक्ति विषय पर प्रसार व्याख्यान

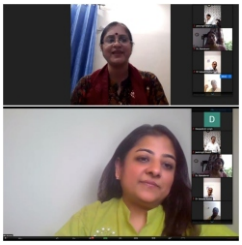

दिनांक 11 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में व्याख्यान प्रसार माला समिति द्वारा प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में प्रसार व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए विषय " Power of Positive Thoughts" अत्यंत ही प्रासंगिक रहा। अतिथि व्याख्याता श्रीमती निधि सिंह द्वारा बहुत रोचक तथा प्रभावशाली रूप से विषय को प्रस्तुत किया गया। निधि सिंह जी नेहरू वर्ल्ड स्कूल, गाजियाबाद में लगभग 15 वर्षों से विद्यालय संचालन के साथ साथ एक मोटिवेशनल स्पीकर के तौर पर भी कार्य कर रही हैं,। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से व्यक्ति अपने विचारों की ऋंखला को नकारात्मक से सकारात्मक की तरफ मोड़ कर जीवन को सुखमय बना सकता है। यदि हम लोगों को धन्यवाद देने जैसा एक छोटा सा सकारात्मक विचार भी अपनी आदत बना लें तो जीवन में संतुष्टि और शान्ति को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। छात्राओं को इसके लिए एक "ग्रेटीटियूड जर्नल" बनाने की सलाह दी, जिसमें वो प्रत्येक दिन 5 नयी बातों के लिए धन्यवाद लिख कर अभ्यास कर सकती हैं, धीरे धीरे ये उनकी आदत में आ जाएगा और सकारात्मक विचारो का प्रभाव जीवन को खुशहाल बना देगा। कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. अनीता सिंह तथा समिति के अन्य सदस्यो डॉ सत्यन्त कुमार, डॉ रमाकांती, डॉ विनीता सिंह, श्री अरविंद सिंह ने मिलकर कार्यक्रम का आयोजन किया तथा समिति की अन्य सदस्य डॉ. ममता उपाध्याय द्वारा संचालन किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों तथा लगभग सौ छात्राओं ने प्रतिभाग किया व सकारात्मक विचारों की महत्ता से अवगत हुईं।

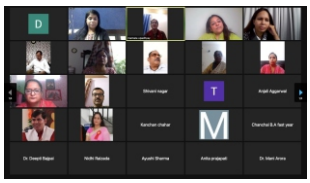

हिंदी सप्ताह पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 7 सितंबर, 2021 से 14 सितंबर, 2021 तक 'हिन्दी सप्ताह' के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक एवं परास्नातक विभाग की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। दिनांक 7 सितंबर, 2021 को 'भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया,जिसमें कु0 प्रियंका प्रथम, कु0 भारती द्वितीय एवं कु0 रेणुका तृतीय स्थान पर रहीं। दिनांक 8:9:2021 को 'वर्तनी लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें दीपांशी डहालिया प्रथम, पायल पँवार द्वितीय तथा लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रहीं।दिनांक 9 सितंबर, 2021 को 'स्वरचित कविता पाठ' प्रतियोगिता संपन्न कराई गई, जिसमें कु0 सुलेखा चौधरी प्रथम, भारती द्वितीय,तथा रुचि शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। दिनांक 10 सितंबर 2021 को 'कहानी लेखन प्रतियोगिता' आयोजित की गयी, जिसमें आकांक्षा ने प्रथम, शिखा पांडे ने द्वितीय एवं प्रियंका नंदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 11 सितंबर 2021 को 'वस्तुनिष्ठ हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया,जिसमें शिवांगी सागर प्रथम, वंदना यादव द्वितीय एवं शिवांगी मोहले तृतीय स्थान पर रहीं । इसी क्रम में 13 सितंबर 2021 को 'निबंध प्रतियोगिता' आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने विभिन्न साहित्यकारों के जीवन को बहुत ही बारीकी से उकेरा। 14 सितंबर 2021 को हिंदी विभाग द्वारा 'भव्य कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कवियों श्री रामवीर आकाश,डॉ0 आलोक बेचैन, श्री राज चैतन्य, डॉ0 सतीश वर्धन एवं श्री सुनहरी लाल 'तुरंत' ने अपनी कविताओं से सभी को मन्त्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 दिव्या नाथ जी के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर 'अखिल भारतीय साहित्य संघ, नई दिल्ली' द्वारा महाविद्यालय प्राचार्या एवं हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों डॉ0रश्मि कुमारी, डॉ0 नीरज कुमार,डॉ0 जीत सिंह एवं डॉ0 मिन्तु को 'साहित्य गौरव सम्मान' द्वारा सम्मानित किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस

दिनांक 16 सितंबर 2021 को महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा दिव्या नाथ द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सुरेन्द्र कुमार जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा ओजोन क्षरण पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय की छात्राओं कु संचिता चौहान, कु सोफर, कु डोली, कु सोनाली,कु कोमल,कु आंचल,कु प्रियंका, कुमारी प्रिया द्वारा ओजोन दिवस एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रस्तुति दी गई।इस अवसर पर डॉ. आजाद आलम द्वारा एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नेहा त्रिपाठी द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। औपचारिक धन्यवाद डॉ. प्रतिभा तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमती नीतू सिंह एवं डॉ. ऋचा का सराहनीय सहयोग रहा।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वाधान में दिनांक 21 सितंबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । डॉ. किशोर कुमार ने विषय प्रवर्तन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना में भारत के योगदान का वर्णन करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम, भारतीय दर्शन, अनेकांतवाद, बौद्ध धर्म, योग, भारतीय विदेश नीति विशेषकर पंचशील सिद्धांत आदि की चर्चा की। विभागीय छात्रा कु. शिक्षा शर्मा ने विश्व शांति के महत्व पर तथ्यपरक प्रस्तुति दी । इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह ने भारतीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शांति एवं सद्भाव की अवधारणा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया । मुख्य वक्ता प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना सुश्री मर्यादा कुलश्रेष्ठ ने ललित कलाओं के माध्यम से मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति के परिणामस्वरूप अंतःकरण की शांति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किशोर कुमार द्वारा किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ आशा रानी, वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ निधि रायजादा, श्री वसंत कुमार सहित महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में दिनांक 22 सितंबर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय था '' Data and Documentation Management : With Special Reference to Teaching and Learning''। NAAC, IQAR, SSR के आलोक में महाविद्यालय की गुणवत्ता संवर्धन तथा डेटा व अभिलेख व्यवस्थापन के संदर्भ में आयोजित यह कार्यशाला प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने अभिलेखीकरण की उपयोगिता , महत्व एवं विधियों पर सारगर्भित प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दिनेश चंद शर्मा ने AQAR के समस्त क्राइटेरिया में वांछित सूचनाओं, उनको पूरित करने के तरीकों एवं विभिन्न तकनीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला संयोजक डॉ किशोर कुमार ने कार्यशाला के संचालन के साथ–साथ प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी प्रस्तुत किए। कार्यशाला के अंत में आयोजन सचिव डॉ दीप्ति वाजपेयी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिपुष्टि के आधार पर कार्यशाला अपने उद्देश्यों में पूर्णतः सफल रही।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती

दिनांक 25 सितंबर 2021 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अन्य प्राध्यापकगणों एवं छात्राओं ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। प्राचार्या महोदया ने अपने संबोधन में कहा कि एकात्म मानववाद के प्रवर्तक पंडित दीन दयाल जी महान व्यक्तित्व के धारक थे। उनका अंत्योदय सिद्धांत निसंदेह समाज के लिए उनकी अपूर्व देन है। हमें उनके सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के प्रत्येक पायदान पर खड़े प्राणी की उन्नति के प्रयास करने चाहिए। इस क्रम में दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, राजनीति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्यायः एक बहुआयामी व्यक्तित्व' विषयक व्याख्यानमाला में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास विभाग के संयुक्त सौजन्य से प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने ऑनलाइन भागीदारी की। इस अवसर पर दोनों विभागों के संयुक्त सौजन्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर छात्राओं के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों में 'क्विज प्रतियोगिता' का आयोजन भी किया गया जिसमें 100 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।

मिशन शक्ति तृतीय चरण पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय में स्थापित महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में मिशन शक्ति के तृतीय चरण के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। 11 जुलाई 2021 को एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न पोस्टर्स के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण व महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा ग्राम बादलपुर का दौरा किया गया तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के विषय में महिलाओं को जागृत करने का कार्य किया गया। महिलाओं से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई तथा उन्हें अपने आसपास सफाई रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं को महिलाओं से संबंधित विभिन्न रोगों तथा उनके उपचारों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर छात्राओ को सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित बनाए गए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई । साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर छात्राओं ने अनेक पोस्टरो के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रकाश डाला। 26 अगस्त 2021 को महिला प्रकोष्ठ के मिशन शक्ति अभियान के तहत 'महिलाओं में उद्यमिता का विकास' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी अभियान के अंतर्गत 28 अगस्त ,2021 को छात्राओं हेतु श्री धीरज कुमार,प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा के निर्देशन में एक व्यायाम शाला का आयोजन किया गया। इस दिन छात्राओ हेतु एक परामर्श सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा छात्राओं की समस्याओ को सुनकर उनका निराकरण किया गया। 4 सितंबर 2021 को महाविद्यालय के हेल्थ क्लब द्वारा छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही जीवन की अनेक अवस्थाओं में अलग–अलग तरीके के भोजन करने पर भी चर्चा की गई। भोजन में उपस्थित पोषण तत्वों के विषय में छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई। 11 सितंबर 2021 को महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट की प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहानी के नेतृत्व में छात्राओं हेतु मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को संकट की स्थिति में अपना बचाव करने हेतु प्रशिक्षित किया गया। 11 सितंबर 2021 को मिशन शक्ति के अंतर्गत ''महिला सशक्तिकरण ''(21 वी शताब्दी के विशेष संदर्भ' में) विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत अनेक प्राध्यापकों ने अपने विचार छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किए। दिनांक 25 सितंबर 2021 को 'मिशन शक्ति तृतीय चरण के अंतर्गत छात्राओं हेतु 'उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान महिला प्रकोष्ठ एवं मिशन शक्ति प्रभारी डॉ निधि रायजादा के द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने छात्राओं में निहित प्रतिभाओं को उजागर करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने छात्राओं को 'चुप्पी तोड़ो, खुल कर बोलो' का मंत्र दिया व महिलाओं और बालिकाओं के प्रति हो रहे अत्याचार ,हिंसा, दुराचार के विरुद्ध आवाज उठाने का आह्वान किया ।साथ ही उन्होंने समाज को जागृत करने के लिए छात्राओं को चुनौती का सामना करने का आह्वान किया। व्याख्यान के तुरंत बाद छात्राओं हेतु एक परामर्श सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मिशन शक्ति की सभी प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा छात्राओं को बालिका सुरक्षा शपथ दिलाई गई तथा छात्राओं को शपथ के अनुरूप स्वयं की सुरक्षा के साथ–साथ दूसरी स्त्रियों एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ रमाकांति ने छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा करने हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डॉ आशा रानी, समिति सलाहकार डॉ दीप्ति वाजपेयी तथा डॉ मीनाक्षी लोहानी, डॉ सुशीला, डॉ मणि अरोड़ा, डॉ रमाकांति, डॉ विनीता सिंह, डॉ धीरज कुमार, डॉ शिवानी, श्रीमती शिल्पी, श्रीमती पवन, डॉ सतीश , सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों का सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता की। सभी कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ निधि रायजादा के निर्देशन और महाविद्यालय की संरक्षिका एवं प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ जी के अध्यक्षता में संपन्न कराए गए।

एन.सी.सी कैडेट्स का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग

कु.मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की एन.सी.सी इकाई की 15 कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में दिनाँक 14 सितंबर,2021 से 20 सितम्बर,2021 तक आयोजित हुए सात दिवसीय एन.सी.सी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग किया। इस शिविर में गर्ल्स कैडेट्स को हथियारों के साथ ट्रेनिंग,ड्रिल,मैप रीडिंग, योग शिक्षा तथा पर्यावरण शिक्षा आदि के बारे में जानकारी दी गयी। उन्हें स्वास्थ्य और स्वच्छता के सम्बंध से भी अवगत कराने के साथ साथ सैन्य बलों की संरचना और कामकाज के बारे में भी औपचारिक जानकारी दी गई। 13 यू.पी.गर्ल्स एन.सी.सी बटालियन,गाजियाबाद के सौजन्य से जी. डी. एम गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर में आयोजित हुए। उल्लेखनीय है कि इस शिविर में महाविद्यालय की कैडेट कोमल मावी तथा ज्योति चौधरी का गणतंत्र दिवस शिविर के प्रारंभिक चरण हेतु चयन किया गया है।

फिट फॉर रन का आयोजन

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतम बुद्ध नगर में आजादी का अमृत महोत्सव इंडिया@ 75 के अंतर्गत फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम एवं द्वितीय इकाई के द्वारा दिनांक 16 सितंबर 2021 एवं 30 सितंबर 2021 को महाविद्यालय प्रांगण से फिट फॉर रन का आयोजन हुआ। जिसमें महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों की स्वयंसेवी छात्राओं एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। यह दौड़ महाविद्यालय प्रांगण से प्रारंभ होकर बादलपुर एवं सादोपुर ग्राम तक हुई। इस दौड़ के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं ने न केवल अन्य छात्राओं को अपितु ग्रामवासियों को भी स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्फूर्ति के प्रति सजग किया, जो कि इस कोरोना महामारी के समय स्वस्थ रहने हेतु अत्यंत आवश्यक है । संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ जी के कुशल मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नीलम शर्मा के निर्देशन में दोनों इकाइयों के समस्त सदस्यों के सहयोग से फ्रीडम रन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इसके अतिरिक्त जुलाई माह में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी, समस्त सदस्यों एवं स्वयंसेवी छात्राओं ने विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण करके पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए जन जागरूकता फैलाई।

अंग्रेजी विभाग में विभागीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 25 सितंबर 2021 को अंग्रेजी विभाग द्वारा ''Shakespeare and his contemporaries ' विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 दिव्यानाथ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शेक्सपियर का संपूर्ण जीवन रचनात्मक प्रवृत्तियों से भरा रहा है । हम सभी को अपने जीवन में रचनात्मक प्रवृत्तियों को निरंतर बढाते रहने की जरुरत है। ऐसा करके हम अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकते हैं ।इस अवसर पर आयोजक डा0 अपेक्षा तिवारी एवं डा0 श्वेता सिंह ने उक्त विषय पर अपने सारगर्भित व सार्थक विचार प्रस्तुत किए तत्पश्चात स्नातकोत्तर की छात्राओं द्वारा विषय पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार में विभाग के अन्य प्राध्यापक एवं अंग्रेजी विषय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राएं उपस्थित रहीं।

एकेडमिक ऑडिट

महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं एकेडमिक ऑडिट समिति के तत्वावधान में प्राचार्य महोदया के निर्देशन में दिनांक 7 सितंबर, 2021 को महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का सत्र 2019–20 का External Acadmic Audit संपन्न हुआ। एकेडमिक ऑडिट संपन्न करने हेतु एम.एम.एच कॉलेज गाजियाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ संजय सिंह तथा इंग्राहम इंस्टिट्यूट गाजियाबाद की प्राचार्या डॉ सरिता शर्मा ने महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्राध्यापकों के नवोन्मेष, शोध कार्यों, प्रशिक्षण तथा अन्य उपलब्धियों का गहनता से परीक्षण किया । परीक्षण के उपरांत उन्होंने पाया कि महाविद्यालय के प्राध्यापकों की अकादमिक उपलब्धियां उच्च स्तर की है तथा उनके नवोन्मेष के प्रति प्रयास सराहनीय है । उन्होंने कतिपय प्राध्यापकों को कुछ सुझाव भी दिए । अंत में उन्होंने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ की महाविद्यालय के सावयविक वातावरण और उच्च अकादमिक उपलब्धियों हेतु प्रसंशा की । उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय का आंतरिक अकादमिक ऑडिट माह अगस्त में संपन्न किया गया था। महाविद्यालय में हर सत्र में आंतरिक एवं बाह्य एकेडमिक ऑडिट कराया जाता है।

महाविद्यालय पत्रिका ज्ञानाञ्जलि का विमोचन

कु मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर की वार्षिक पत्रिका ज्ञानाञ्जलि का प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ एवं राष्ट्रीय स्तर के सुप्रसिद्ध कवि डॉ राज चैतन्य , डॉ सतीश वर्धन,श्री रामवीर आकाश, डॉ आलोक बेचैन तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों द्वारा विमोचन किया गया । विमोचन के अवसर पर पत्रिका की मुख्य संपादक डॉ दीप्ति वाजपेयी ने पत्रिका की गुणवत्ता और नवीन कलेवर का श्रेय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ एवं सम्पूर्ण संपादक मंडल को देते हुए सबका आभार व्यक्त किया। पत्रिका के सह–संपादक डॉ किशोर कुमार ने अवगत कराया कि इस बार की पत्रिका इस दृष्टि से विशिष्ट है कि इस बार पत्रिका को ISBN नंबर भी प्राप्त हो गया है, जो कि पत्रिका की गुणवत्ता में वृद्धि करता है । प्राचार्या जी ने मुख्य संपादक डॉ दीप्ति वाजपेयी, सह संपादक डॉ किशोर कुमार और सम्पूर्ण संपादक मंडल डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ मीनाक्षी लोहनी, डॉ अरविंद यादव, डॉ मिंतु, डॉ विजेता गौतम, डॉ नीलम शर्मा, डॉ रमाकांति की उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा करते हुए उनके प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की ।

वाणिज्य संकाय द्वारा प्री. पीएच् . डी. सबमिशन सेमिनार

महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में दिनांक 17 जुलाई 2021 को वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ अरविंद कुमार यादव असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय के कुशल निर्देशन में शोध छात्रा कु. अपूर्वा सिंह का Policies and Practices of Material Managment in Hotel Industry (An analysis study of selected private sector hotels)'' विषय पर प्री. पीएच् . डी. सबमिशन सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉ अरविंद कुमार यादव के ही शोध निर्देशन में दिनांक 1 सितंबर 2021 को कु. रीना जोशी का 'An Evaluation on Financial Performance of ONGC Limited' विषय पर प्री. पीएच् . डी. सबमिशन सेमिनार का आयोजित हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ, शोध समिति प्रभारी डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ आशा रानी, दीप्ति वाजपेयी, डॉ मीनाक्षी लोहानी,डॉ. किशोर कुमार एवं डॉ अरविंद कुमार यादव सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं शोध छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

इतिहास विभाग में प्री. पीएच.डी सबमिशन मौखिकी

दिनांक 27 सितंबर 2021 को कु. मा. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर के इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.निधि रायजादा के निर्देशन में श्री अनुतोष कुमार का प्री पी–एच. डी. मौखिकी संपन्न हुई। श्री अनुतोश कुमार के शोध का विषय 'भारत– चीन संबंधों में जम्मू कश्मीर की भूमिका'(एक ऐतिहासिक विश्लेषण) है। उन्होंने बड़े ही वस्तुनिष्ठ और सरल शब्दों में अपने शोध विषय को सभी के सम्मुख रखते हुए

इससे संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा अनेक प्राध्यापकों और शोधार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. दिव्या नाथ सहित इतिहास विभाग के सभी प्राध्यापक डॉ आशा रानी, डॉ. किशोर कुमार,डॉ निधि रायजादा, डॉ अनीता सिंह, श्री अरविंद सिंह ,श्री बसंत कुमार सहित अन्य विभागों के प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित रहे।

इतिहास विभाग में शोध उपाधि हेतु मौखिकी संपन्न

महाविद्यालय के इतिहास विभाग में दिनांक 16 सितंबर 2021 को शोध छात्रा श्रीमती अंजना का ''ब्रिटिश कालीन भारतीय शिक्षा नीति (1854 से 1947 ईसवी तक)'' विषय पर शोध उपाधि हेतु प्रोफेसर कुमार रत्नम, सदस्य सचिव भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा मौखिकी परीक्षा संपन्न हुई शोध छात्रा ने विषय विशेषज्ञ के द्वारा पूछे गए समस्त प्रश्नों का स्तरीय उत्तर देते हुए अपने शोध कार्य की उपादेयता एवं उत्कृष्ट शोध हेतु किए गए परिश्रम को प्रदर्शित करते हुए सभी को प्रभावित किया। शोध छात्रा श्रीमती अंजना ने यह शोध कार्य शोध निर्देशक डॉ किशोर कुमार , एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर कुमार रत्नम ने शोध कार्य हेतु शोध छात्रा एवं शोध निर्देशक को बधाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ मीनाक्षी लोहानी, डॉ शिल्पी, डॉ जीत सिंह, डॉ नीरज कुमार, डॉ कनक कुमार , डॉ प्रतिभा तोमर, डॉ नेहा त्रिपाठी , डॉ ज्ञानेंद्र सिंह, डॉ जूही बिरला, डॉ विनीता सिंह, डॉ बसन्तकुमार , आजाद आलम सिद्दीकी एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं शोध छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

हिंदी विभाग में शोध उपाधि हेतु मौखिकी

दिनांक 27 सितंबर 2021 को महाविद्यालय में हिंदी विभाग में शोधार्थी श्री देवानंद सिंह की ''कृष्णा सोबती के उपन्यासों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन'' विषय पर शोध उपाधि हेतु डॉ सुचित्रा मलिक , एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड के द्वारा मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। विषय विशेषज्ञ के द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का शोधार्थी ने स्तरीय उत्तर देकर सबको प्रभावित किया। मौखिक परीक्षा के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ एवं हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. नीरज कुमार,डॉ मिंतू एवं महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्राध्यापक मौजूद रहे। शोधार्थी श्री देवानंद सिंह ने डॉ जीत सिंह के दिशा निर्देशन में सफलता पूर्वक शोध कार्य किया। श्री देव आनंद ने सभी प्राध्यापकों एवं प्राचार्य जी एवं अपने शोध निर्देशक का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्राचार्या महोदया व अपने गुरु डॉ जीत सिंह जी का आभार व्यक्त किया।

एम.एस.सी छात्राओं द्वारा असाइनमेंट प्रस्तुतिकरण

महाविद्यालय में एम.एस.सी जंतुविज्ञान की छात्राओं द्वारा निर्धारित विभागीय एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार तीन चरणों में असाइनमेंट का प्रस्तुतिकरण किया गया । 3–4 सितंबर को प्रथम चरण, 13–14 सितंबर को द्वितीय चरण व 29–30 सितंबर को तृतीय चरण संपन्न हुआ। प्रस्तुतिकरण में छात्राओं ने प्रदत विषय पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। छात्राओं में नेतृत्व क्षमता , वक्तव्य कौशल और आत्मविश्वास वर्धन की दृष्टि से इस प्रकार के प्रस्तुतिकरण महत्वपूर्ण होते है । प्राचार्या महोदया के निर्देशन में हुए इस अकादमिक आयोजन में जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ दिनेश चंद शर्मा अन्य प्राध्यापक डॉ सुरेन्द्र कुमार, श्रीमती नीतू सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में उत्कृष्ट योगदान के लिए महाविद्यालय के शिक्षक सम्मानित

शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर के 14 शिक्षकों को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा चयनित कर सम्मानित किया गया । इस क्रम में महाविद्यालय के डॉ दिनेश चंद शर्मा , डॉ किशोर कुमार, डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ ममता उपाध्याय, डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ मीनाक्षी लोहनी, डॉ अरविंद यादव, डॉ शिवानी वर्मा , डॉ शिल्पी, डॉ सत्यंत कुमार, डॉ विजेता गौतम, डॉ नीलम शर्मा , डॉ संजीव कुमार, डॉ भावना यादव को एक भव्य समारोह में पूर्व मंत्री एवं सांसद डॉ महेश चंद शर्मा के द्वारा शाल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ को भी महाविद्यालय को उत्कृष्ट स्थान पर पहुंचाने हेतु सम्मानित किया गया । समारोह में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ राजीव गुप्ता भी उपस्थित रहे।

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि-
कु. शिखा पांडे, बी.ए. द्वितीय वर्ष
कु. आकांक्षा नागर, एम.ए. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा